भारत सरकार
Government of India

Calm
Caution
Threat
Danger

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2024 / No. 13 **अवधि / Period 01-15 July 2024**

LOCUST SITUATION: During the routine surveys, India (Scheduled Desert Area) found free from gregarious as well as Solitary locust activity during the **1st fortnight of July 2024.** Total **165** nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : नियमित सर्वेक्षण के दौरान, भारत में (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) **जुलाई 2024 के प्रथम पखवाड़े** के दौरान सामूहिक और एकल टिड्डियों की गतिविधि से मुक्त पाया गया। सर्वेक्षण करते समय कुल 165 स्थानो का अवलोकन किया गया, जिन्हें मानचित्र पर दर्शाया गया है।

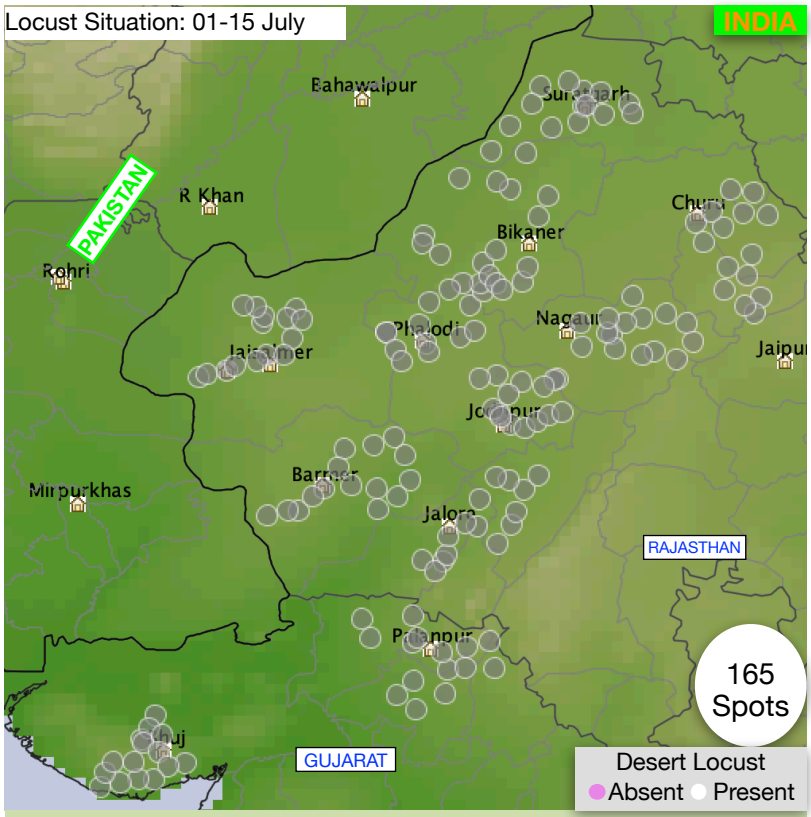

India is free from desert locust activities.

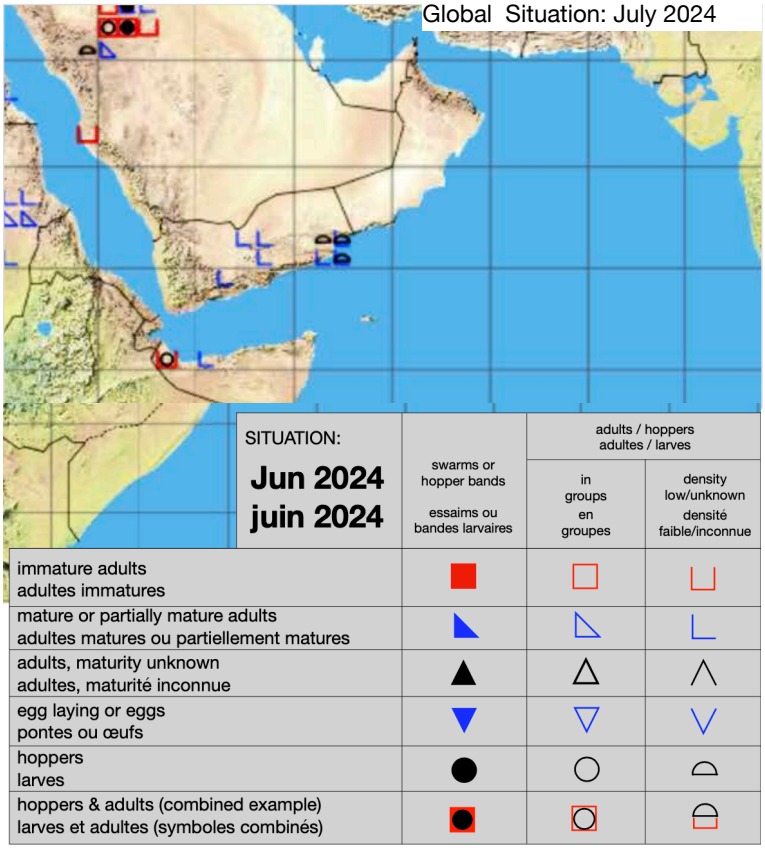

Swarm movement	:	Nil
Breeding	:	Nil
Hoppers	:	Nil
Solitary Isolated/ scattered mature/immature adults	:	Nil

Global Situation (Area treated): June 2024
Control operation decreased slightly in June to 3111 ha. compared to 13052 ha. in May.
Area Treated As-

Saudi Arabia : 1450 ha.
Egypt : 1410 ha.
Algeria : 95 ha.
Somalia : 80 ha.
Sudan : 56 ha.
Libiya : 20 ha.

WEATHER AND ECOLOGY: During the survey scheduled desert area the soil moisture found dry at few spots of **Phalodi, Churu, Jaisalmer** and **Barmer** and wet in all other surveyed locations. Vegetation was found green at few spots of **Bhuj** and **Jalore** and dry at all other locations. Soil moisture and vegetation are shown in the map below.

मौसम एवं परिस्थितिकी : सर्वेक्षण के दौरान निर्धारित रेगिस्तानी क्षेत्र में **फलौदी, चूरू, जैसलमेर** और **बाड़मेर** के कुछ स्थानों पर मिट्टी की नमी सूखी और अन्य सभी सर्वेक्षण स्थानों पर गीली पाई गई। **भुज** और **जालौर** के कुछ स्थानों पर वनस्पति हरी तथा अन्य सभी स्थानों पर सूखी पाई गई। मिट्टी की नमी और वनस्पति को नीचे दिए गए मानचित्र में दिखाया गया है।

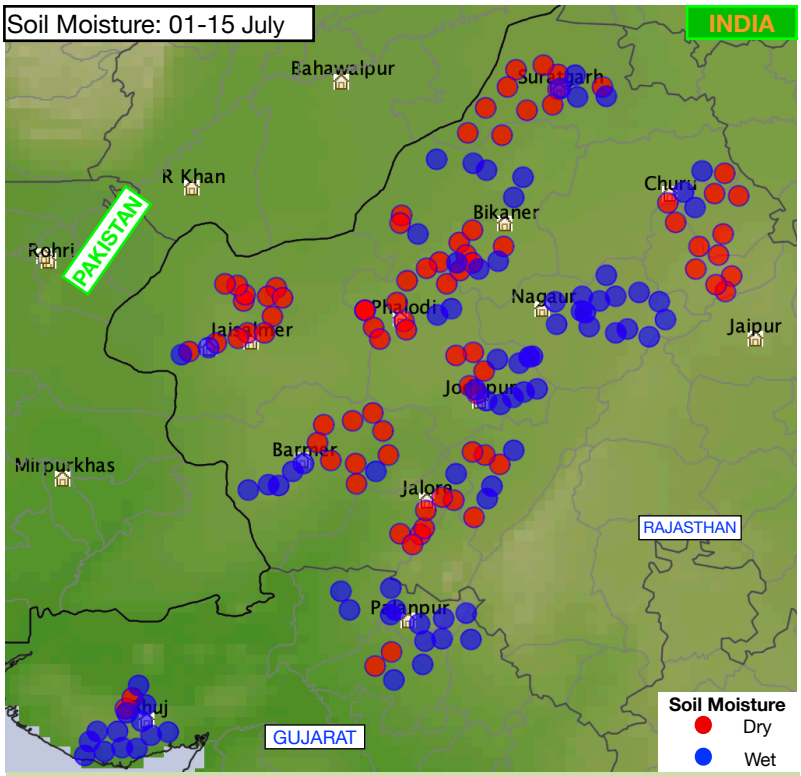

Soil moisture map.

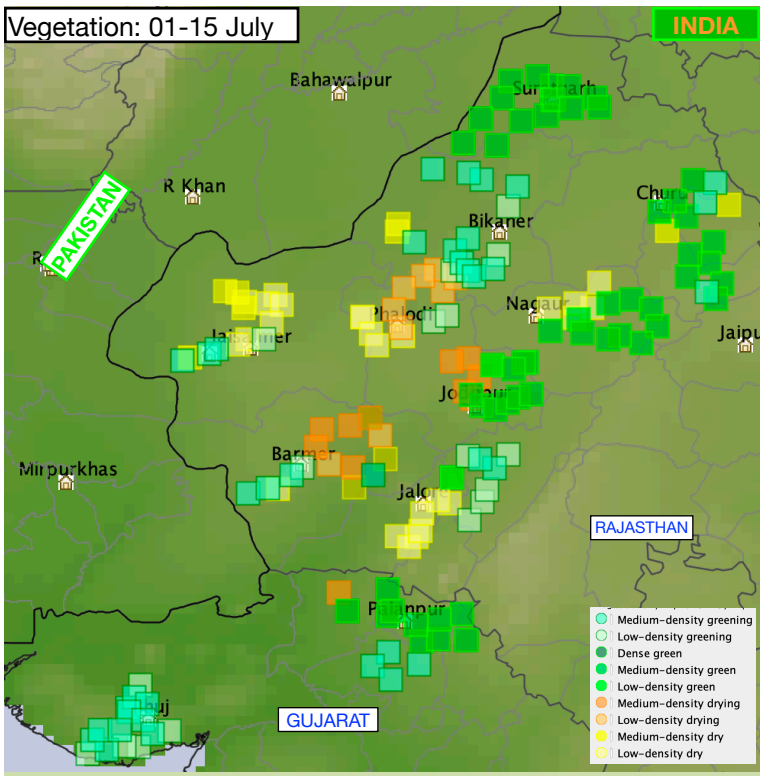

Vegetation was found green/ dry.

FAO Update (08 July): Adults were controlled in central Sahara, Algeria and Libya. Rainfall began in the northern Sahel where it will continue. Small-scale breeding may occur in southern Mauritania, northern Mali and Niger, and central and northeastern Chad. Control has led to a decline in the number of hopper groups and scattered adults in Saudi Arabia, Egypt, northern Sudan, northwest Somalia, and a decrease in the number of isolated adults in the interior of Yemen. Rainfall began during the summer from the western lowlands of Eritrea to western Darfur in Sudan. Above normal rainfall is also expected to continue in Yemen, as a result, the first generation of breeding should occur there.A few isolated adults seen in south-east Iran. The south-west monsoon will begin in late June along the India-Pakistan border, where there will be one generation of limited breeding, but numbers are not expected to increase significantly.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan. Isolated mature solitarious adults were laying at one place in the southeast interior Iran of Jaz Murian Basis southeast of Ghale Ganj

Forecast (India) : Ecological conditions become favourable for locust activity in the Scheduled Desert Area, Moreover, no locust was seen during the survey. Therefore, the locust activity is not expected upto the next fortnight.

एफ. ए. ओ. अपडेट (08 जुलाई): मध्य सहारा, अल्जीरिया और लीबिया में वयस्कों को नियंत्रित किया गया। उत्तरी साहेल में बारिश शुरू हो गई है जहां यह जारी रहेगी। दक्षिणी मॉरिटानिया, उत्तरी माली और नाइजर और मध्य और उत्तरपूर्वी चाड में छोटे पैमाने पर प्रजनन हो सकता है। नियंत्रण के कारण सऊदी अरब, मिस्र, उत्तरी सूडान, उत्तर पश्चिमी सोमालिया में हॉपर समूहों और बिखरे हुए वयस्कों की संख्या में गिरावट आई है और यमन के अंदरूनी हिस्सों में अलग-थलग वयस्कों की संख्या में कमी आई है। गर्मियों के दौरान इरिट्रिया के पश्चिमी निचले इलाकों से लेकर सूडान के पश्चिमी दारफुर तक बारिश शुरू हो गई। यमन में भी सामान्य से अधिक वर्षा जारी रहने की उम्मीद है, परिणामस्वरूप, प्रजनन की पहली पीढ़ी वहां होनी चाहिए। दक्षिण-पूर्व ईरान में कुछ अलग-थलग वयस्क देखे गए हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून जून के अंत में भारत-पाकिस्तान सीमा पर शुरू होगा, जहां सीमित प्रजनन की एक पीढ़ी होगी, लेकिन संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद नहीं है।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।गाल गंज के दक्षिण-पूर्व में जैज़ मुरियन बेसिस के दक्षिण-पूर्व आंतरिक ईरान में एक स्थान पर अलग-थलग परिपक्व एकान्तवासी अवस्था में थे।

पूर्वानुमान (भारत): अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में टिड्डियों की गतिविधि के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल हैं, लेकिन, सर्वेक्षण के दौरान कोई टिड्डी नहीं देखी गई। इसलिए, अगले पखवाड़े तक टिड्डियों की गतिविधि होने की उम्मीद कम है।

Photographs taken by surveyors

Jaisalmer

Bikaner

Prepared by Regional Locust-Cum-IPM Centre, Jodhpur (email : lwo-jod-rj@nic.in) & Issued by Plant Protection Adviser, Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, N.H.IV, Faridabad. Phone : +91-129-2476354, e-mail : ppa@nic.in,